उपन्यास :- हिन्दी उपन्यास की परम्परा एवं यथार्थवाद

वाङ्मय — भाषा के माध्यम से जो कुछ भी अभिव्यक्त की गई हो चाहे लिखित हो, मौखिक हो या टंकित हो

- **वार्ता**
  - ⇓ सामान्य जीवन की बातचीत
  - ⇓ अर्थ प्रधान
- **शास्त्र**
  - ⇓ सैद्धांतिक किताबें
  - ⇓ शब्द प्रधान
- **साहित्य**
  - ⇓ जहाँ शब्द एवं अर्थ दोनों का महत्व
  - ① स + हित का भाव
  - ② सौंदर्यता
  - ③ रमणीयता
  - **पद्य**
    - ⇓ Poetry
    - कविता
    - ↓ जिसमें लय हो
  - **गद्य**
    - ⇓ Prose
    - (कहानी)
    - ⇓ जिसमें लय न हो
    - **कथात्मक**
      - कहानी
      - उपन्यास
    - **दृश्यात्मक**
      - ↓ नाटक
    - **विचारात्मक**
      - → निबंध
      - → आलोचना (समीक्षा)
    - **अन्य**
      - → संस्मरण
      - → रिपोर्ताज
  - **चंपूकाव्य**
    - ⇓ (मिश्रित)
    - ⇓ जैसे - यशोधरा

हिन्दी साहित्य का काल विभाजन

- 1000 - 1350 → आदी काल
- 1350 - 1650 → भक्ति काल
- 1650 - 1850 → रीति काल
- 1850 - 2022 → आधुनिक काल

उपन्यास

उपन्यास → उप + न्यास

उप → नजदीक

न्यास → Trust (न्याती) → अमानत

ऐसा रचना जो न्याती के निकट हो।

Note:-

अमानत - जो चीज आपके है किन्तु आपकी नही है। किसी दुसरे व्यक्ति ने आपको कुछ समय के लिए दिया है।

उपन्यास - वह अमानत या रचना जो हमारी जीवन के नजदीक हो

विधा

नैसर्गिक

⇓

हर काल स्थान में पाई जाती हो।

Eg:- नाटक
कहानी
गीत

ऐतिहासिक

⇓

इतिहास के किसी खास काल में उदय हुआ हो कुछ विशेष परिस्थिति के कारण।

↓

Eg:- उपन्यास

⇒ 1739 — पामेला — पहला उपन्यास

⇒ हिन्दी का पहला उपन्यास — 1882.

परीक्षा गुरु — श्रीनिवास दास ने लिखा

उपन्यास

↓

यथार्थवाद

आधुनिक यथार्थवाद के नजरीय से लिखा गया रचनाएँ उपन्यास है।

आख्यायिका — संस्कृत साहित्य

→ कादंबरी → गद्य
→ विस्तार

→ आदर्शवाद

→ परंपरागत आदर्शवाद के नजरीय से लिखा गया रचनाएँ आख्यायिका है। (परम्परागत काल में)

जैसे - हर्षचरित

		पद्य	गद्य
आदिकाल	1000-1350	98%	2%
भक्तिकाल	1350-1650	95%	5%
रीतिकाल	1650-1850	93%	7%
आधुनिक काल	1850-2022	5%	95%

पद्य में अधिकतम रचनाएँ होने के कारण

वेद - श्रुति — याद रखने योग्य

लय